© 2024 IJNRD | Volume 9, Issue 5 May 2024| ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों में मूल्यो का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. वर्षा नालमे
प्राचार्या
सैन्ट्रल एकेडमी टीचर्स ट्रैनिंग कॉलेज, अजमेर

परिचय--वर्तमान समय में शिक्षा का रूप बहुत विस्तृत हो चुका है, और शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के साथ में उसके प्रत्येक पक्ष का विकास करना भी होता है। ये पक्ष जीवन के लिए आवश्यक होते हैं।वर्तमान आधुनिक समय डिजिटल युग है । आधुनिक समय में तकनीकी का विस्फोट हो चुका है। जीवन अत्यधिक तीव्र गति से चल रहा है, ऐसे समय में मानवीय मूल्यों की स्थिति और उपयोगिता पर चर्चा करना बहुत आवश्यक हो चुका है। सामान्यतः वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति व्यक्ति के विकास के लिए बहुत आवश्यक है, किंतु फिर भी हम इस भौतिक विश्व में मानव के चरित्र और सद्गुणों को नहीं छोड़ सकते हम वर्तमान समय में बहुत आवश्यकता महसूस करने लगे हैं, क्योंकि निजी ,एवं सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। इन मूल्यों के ह्रास के विद्यार्थियों का जीवन उद्देश्यहीन और दिशाहीन होता जा रहा है। इसलिए वर्तमान समय में यह बहुत आवश्यक है, कि मानवीय मूल्यों पर फिर से विकसित और निर्मित करने के लिए कार्य किया जाए। शिक्षा तथा शिक्षक समाज के विकास और उसके सुधार के लिए बहुत आवश्यक भूमिका निभाते हैं, इसलिए शिक्षकों में मूल्य का विकास बहुत आवश्यक होता है। विद्यार्थी जो कि भविष्य में शिक्षक बनने वाले हैं उनमें इन मूल्यों का विकास किस सीमा तक हो रहा है या वह किस सीमा तक अपने मूल्यों का निर्वहन कर रहे हैं यह जानना अति आवश्यक है।भारत तथा विदेशों मे भी मूल्यो पर बहुत शोध कार्य हुये हैं। किन्तु फिर भी इस दिशा मे अभी और शोध कार्य करने की सम्भावनाएँ हैं ।

मूल्य की परिभाषा-

सी वी गुड के अनुसार- मूल्य वह चारित्रिक विशेषता है,जो मनोवैज्ञानिक, सामाजिक,और सौंदर्य-बोध की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है।लगभग सभी विचार मूल्यों के अभीष्ट चरित्र को स्वीकार करते हैं।

आलपोर्ट के अनुसार- मूल्य एक मानव विश्वास है जिसके आधार पर मनुष्य वरीयता प्रदान करते हुये कार्य करता है।

गांधी जी ने कहा था कि -"बच्चों के तन, मन और आत्मा में निहित सर्वोत्तम तत्व का प्रस्तुतिकरण शिक्षा का उद्देश्य है"। मानवीय मूल्य हेतु शिक्षा योजना बालक में निहित सर्वोत्तम तत्व के विकास एवं उसके व्यक्तित्व की पूर्णता की दिशा में सहायक है। मानव उत्कर्ष की प्रक्रिया में मानव व्यक्तित्व के मूल्यों का उत्कर्ष आवश्यक है। इन पांचो पक्ष शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक के दायरे में ही मनुष्य को परिभाषित किया जाता है पांच मूलभूत मूल्य सत्य, अहिंसा ,सदाचरण, शांति ,प्रेम की संगति उपयुक्त पक्षों से होती है. प्रत्येक व्यक्ति इन पांच मूल्यों को अपने जीवन में रचा बसा लेने की आकांक्षा करता है। यह मूल्य सार्वभौमिक है। और देश धर्म जाति आदि से परे हैं। प्रत्येक जीव इन मूल्यों की परिधि में रहता है। इन मूल्यों का प्रतिपादन शिक्षकों तथा भावी शिक्षकों के लिए पृष्ठभूमि तैयार करने के संदर्भ में है। इनमें सत्य, अहिंसा, सदाचरण, शांति, प्रेम आदि गुणों से है ।सत्य हमें वास्तविकता से परिचित करवाता है, जो प्रत्येक जीव तत्व के अंदर पाया जाता है जीवन सत्य की पहचान ही मानव आत्मा के रूप में की गई है। सत्य मानव का प्रथम गुण होता है जो उसे व्यक्ति के व्यवहार में परिलक्षित होता है। वर्तमान समय में शिक्षक ही समाज में मूल्यों का विकास कर सकता है।

शोध की आवश्यकता ---वर्तमान समय में मूल्यों को उपेक्षित करके हर व्यक्ति भौतिकवादी होता जा रहा है। शिक्षक का कार्य है, जागरूकता लाना और बच्चों को एक श्रेष्ठ नागरिक के रूप में तैयार करना ,जिसके द्वारा समाज देश,और विश्व का विकास हो सके । यदि शिक्षकों में मूल्य नहीं होंगे तो वह श्रेष्ठ भावी नागरिकों का निर्माण भी नहीं कर सकेंगे। इस विषय को चयन करके और बी.एड. के प्रशिक्षणार्थियों में मूल्यों की उपस्थिति का ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास किया गया है । बीएड के विद्यार्थी जो कि भविष्य में शिक्षक बनने वाले हैं उनमें इन मूल्यों की उपस्थिति कितनी है एवं प्रशिक्षणार्थियों में विभिन्न प्रकारों के मूल्यों की कितनी उपस्थित है? उनके व्यवहार में ये मूल्य परिलक्षित होते हैं? प्रस्तुत शोध में विभिन्न मूल्य का ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। जिसमें सौंदर्य मूल्य, सैद्धांतिक मूल्य, धार्मिक मूल्य, सामाजिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, सुखवादी मूल्य तथा राजनीतिक मूल्यों का मापन किया गया विभिन्न

प्रकार के मूल्यो मे कौनसा मूल्य सर्वाधिक स्थान रखता है।इसे ज्ञात करने के लिये मूल्य परीक्षण के द्वारा विद्यार्थियों में मूल्य का अध्ययन किया गया।

शोध के उद्देश्य--प्रत्येक शोध किसी उददेश्य को प्राप्ति के लिये किया जाता है।प्रस्तुत लघु शोध में निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया गया

1. बी.एड. के पुरूष एवं महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का अध्ययन करना ।
2. बी एड के पुरूष एवं महिलाशिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों के विभिन्न आयामों में सार्थक अंतर का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ--शोध हेतु निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्धारण किया गया ।

1. बी एड के पुरूष एवं महिलाशिक्षक प्रशिक्षणार्थियोंमूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2. बी एड के पुरूष एवं महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियोंमे मूल्यों के विभिन्न आयामों के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध विधि-- प्रस्तुत शोध में प्रमापीकृत परीक्षण का उपयोग किया गया है।सर्वेक्षण विधि का उपयोग कर बी एड केपुरूष एवं महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मूल्य परीक्षण के अंक एकत्र किये गये। उनका मापन करके और. विभिन्न प्रकारों को अलग-अलग विष्लेषित किया गया ।तत्पश्चात सांख्यकी विधियो का उपयोग कर मध्यमान ;डद्ध,प्रमाप विचलन;ैक्द्ध तथा टी परीक्षण ज्ञात किया गया।

न्यादर्ष-सेंट्रल अकैडमी टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज के बीएड के पुरूष एवं महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियोंपर यह लघु शोध किया गया। इसमें 54 छात्र और 47 छात्राओं को चयनित कर उनके ऊपर लघु शोध किया गया है।

उपकरण--- प्रस्तुत शोधपत्र हेतु प्रमापीकृत परीक्षण “ए न्यू टेस्ट फॉर स्टडी ऑफ़ वैल्यूज”का उपयोग किया गया है। जो की मिस शशि गिलानी के द्वारा निर्मित किया गया है। प्रस्तुत शोध आगरा साइकोलॉजिकल रिसर्च सेंटर के द्वारा प्रकाशित किया गया है। इस प्रश्नावली में 70 प्रश्न का समावेश किया गया है जो की सौदंर्यात्मक या कलात्मक, सैद्धांतिक, धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक,सुखवादी मूल्यो आदि के प्रश्न निर्मित किए गए हैं। इन प्रश्नों में उत्तर को पांच कैटेगरी में ग्रहण किया गया जिसमें. पूर्ण सहमत, सहमत, सामान्य, असहमत, और पूर्णता असहमत. के रूप में रेटिंग स्केल के रूप में किया गया। इन सभी के प्रद्वत उत्तर के आधार पर5,4,3,2,1 नंबर दिए गए थे और इन प्राप्तांको का कुल योग कर विष्लेषण किया गया। अलग-अलग मूल्य के आधार पर अलग-अलग मार्किंग की गई थी जो कि आप प्रस्तुत आंसर शीट में ही टेस्टर के लिए निर्मित उत्तर तालिका में दिया गया है और उन्हीं के आधार पर इन अंकों का योग किया गया था।

विष्लेषण-

प्राप्त प्राप्तांकों के आधार पर मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, तथा टी मान ज्ञात किया गया जिसमें महिला तथा पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के मध्य तुलना की गई। द्वितीय परिकल्पना हेतु मूल्य के विभिन्न आयामों का अलग अलग विश्लेषण किया गया।

समस्त विद्यार्थियों के मूल्य परीक्षण के प्राप्तांको के मध्यमान प्रमाणिक विचलन तथा टी मान

Variables (मूल्य)	Category (श्रेणी)	Mean (मध्यमान)	SD (प्रमाणिक विचलन)	t Value टी मान	Significance level (सार्थकतास्तर 0-05)
Overall	Male	259	59-5	0-580	(P=0.580) NS at 0.05 Level
	Female	266	61-15		

सारणी के अनुसार महिला एंव पुरूष प्रशिक्षणार्थियोंके मूल्य के स्कोर एकत्रित किए गए तथा इन प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों के अंकों का मध्यमान प्रमाणिक विचलन तथा टी मान के आधार पर उनमें मूल्य की तुलना की गई. प्रथम परिकल्पना के अनुसार समस्त विद्यार्थियों जिसमें महिला एंव पुरूषको लिया गया उनके मूल्यों के मध्य तुलना करने पर ज्ञात होता है कि, के मध्यमान. छात्रों के 259 तथा छात्राओं के 266 मान प्राप्त हुए। छात्रोंप्रमाणिक विचलन 59.5 तथा छात्राओं का प्रमाणिक विचलन 61.15 पाया गया इनके आधार पर उनके मध्य टी मान 0.580 पाया गया जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है। यह कह सकते हैं कि महिला एंव पुरूष प्रशिक्षणार्थियोंके मूल्य समान होते हैं तथा उनमें मूल्य में कोई अंतर नहीं होता। अतः परिकल्पना प्रथम स्वीकृत की जाती है।

आयाम के अनुसार मूल्य परीक्षण के प्राप्तांको के मध्यमान प्रमाणिक विचलन तथा टी मान

Variables (मूल्य)	Category (श्रेणी)	Mean (मध्यमान)	SD (प्रमाणिक विचलन)	t Value टी मान	Significance level (सार्थकतास्तर 0-05)
सौन्दर्यात्मक अथवा कलात्मक	पुरूष	38	4.53	0.675	P = 0.5011 Not Significant सार्थक नहीं
	महिला	37	9.44		
सैद्धान्तिक	पुरूष	42	5.68	0.629	P = 0.5011 Not Significant सार्थक नहीं
	महिला	41	9.7		
धार्मिक	पुरूष	40	6.04	0	P = 0.5011 Not Significant सार्थक नहीं
	महिला	40	9.72		
राजनैतिक	पुरूष	36	4.52	1.412	P = 0.5011 Not Significant सार्थक नहीं
	महिला	34	8.94		
सामाजिक	पुरूष	42	4.99	0	P = 0.5011 Not Significant सार्थक नहीं
	महिला	42	9.5		
आर्थिक	पुरूष	39	4.74	1.424	P = 0.5011 Not Significant सार्थक नहीं
	महिला	37	8.73		
सुखवादी	पुरूष	35	4.66	0.690	P = 0.5011 Not Significant सार्थक नहीं
	महिला	36	9.12		

द्वितीय सारणी और समग्र आयाम के आधार पर बनाई गई है जिसमें की सौंदर्यात्मक मूल्य सैद्धांतिक मूल्य धार्मिक मूल्य राजनीतिक मूल्य सामाजिक मूल्य आर्थिक मूल्य तथा सुखवादी या सुखात्मक मूल्य का के प्राप्तांक के आधार पर महिला एंव पुरूष प्रशिक्षणार्थियोंकी तुलना की गई है। इन समस्त मूल्य का मान ज्ञात करने पर ज्ञात होता है कि -

सौंदर्यात्मक या कलात्मक मूल्य में पुरुष छात्रों के मध्यमान 38 तथा प्रमाणिक विचलन 4.53 पाया गया तथा छात्राओं में मध्यमान 37 तथा प्रमाणिक विचलन 9.44 पाया गया। इनके आधार पर उनके मध्य टी मान 0.675 पाया गया जो की सार्थक नहीं था अतः सौंदर्यात्मक या कलात्मक मूल्य के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया. सैद्धांतिक या थियोरेटिकल इसमें के पुरुष छात्रों का माध्यमान 42 तथा प्रमाणिक विचलन 5.68 प्राप्त हुआ जबकि की छात्राओं का मध्यमान 41 तथा प्रमाणिक विचलन 9.7 प्राप्त हुआ इन मान के आधार पर टी-मान 0.629 पाया गया जो की 0.05 लेवल पर सार्थक नहीं है अतः इनमें सार्थक अंतर नहीं पाया जाता।

धार्मिक मूल्य-बी.एड. के पुरुष छात्रों का माध्यम 40 तथा प्रमाणिक विचलन 6.04 पाया गया। जबकि महिलाप्रशिक्षणार्थियों में धार्मिक मूल्य का मध्यमान 40 तथा प्रमाणिक विचलन 9.72 पाया गया। इनके मध्य टी मान 0 पाया गया जो की सार्थक नहीं था। अतः धार्मिक मूल्यों में भी कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

राजनीतिक मूल्य-के पुरुष छात्रों के राजनीतिक मूल्य का माध्यम 36 तथा प्रमाणिक विचलन 4.52 प्राप्त हुआ जबकि महिला छात्राओं का माध्यम 34 तथा प्रमाणिक विचलन 8.94 प्राप्त हुआ इनके आधार पर टी का मन 1.412 पाया गया ।यह भी मान 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है । अतः छात्र एवं छात्राओं के राजनैतिक मूल्यों मे भी सार्थक अंतर नहीं पाया जाता।

सामाजिक मूल्य-- पुरुष छात्रों के सामाजिक मूल्यों का मध्यमान 42 तथा प्रमाणिक विचलन 4.99 पाया गया तथा महिला प्रशिक्षणार्थी में माध्यमान 42 तथा प्रमाणिक विचलन 9.5 पाया गया।

सुखात्मक या सुखवादी मूल्य- पुरुष छात्रों का मध्यमान 35 तथा प्रमाणिक विचलन 4.66 पाया गया जबकि महिला छात्राओं में मध्यमान 36 तथा प्रमाणिक विचलन 9.12 पाया गया इनके आधार पर इनका टी मान 0.690 पाया गया।जो की 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं था अतः अंतर सार्थक अंतर नही पाया गया।

इस शोध में द्वितीय परिकल्पना जिसमें बीएड के महिला एवं पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के विभिन्न मूल्य के आयाम में तुलना करने पर उनके मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है। कुछ मूल्य के मध्यमान में अंतर अवश्य पाया गया।जिसमें राजनीतिक मूल्यों में मध्यमान मे अन्तर पाया गया । विद्यार्थियों का टी मान 1.412 पाया गया जो किया दर्शाता है कि सार्थक अंतर भले ही नहीं हो किंतु पुरूष

प्रशिक्षणार्थियोंं के राजनीतिक मूल्यों महिला प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में अधिक है इसी प्रकार सुखात्मक मूल्य में महिलाओं का मध्यमान अधिक पाया गया। पुरुष प्रशिक्षणार्थियों में कम पाया गया।

प्राप्तांको का ग्राफीय निरूपण

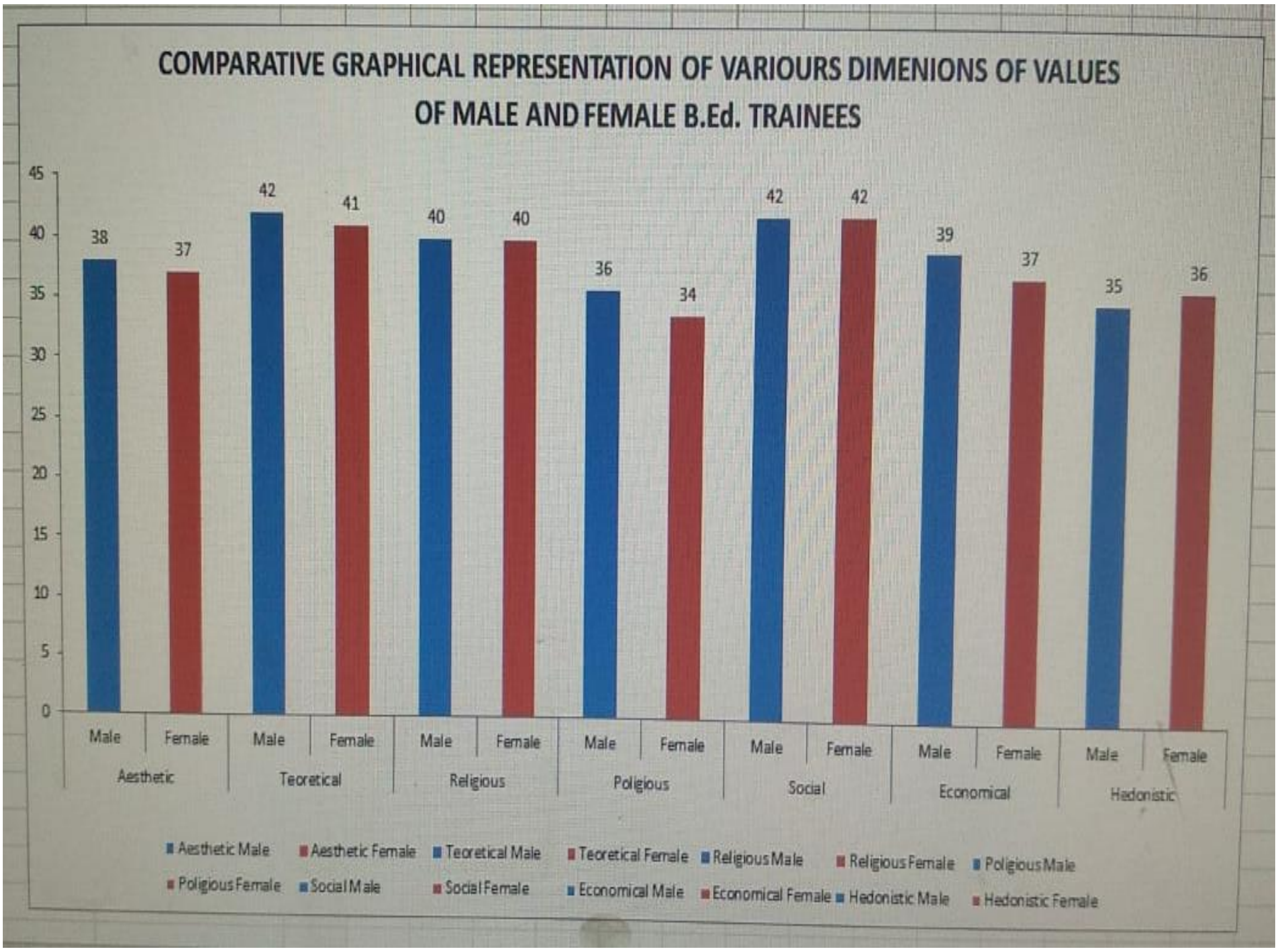

निष्कर्ष-

बी.एड. के महिला एवं पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के विभिन्न मूल्य का अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि छात्र एवं छात्राओं दोनों ने ही सामाजिक मूल्यों को सर्वाधिक वरीयता दी है तथा धार्मिक मूल्यों को और सैद्धांतिक मूल्यों को उसके पश्चात वरीयता दी है। इसी प्रकार आर्थिक मूल्य एवं सौंदर्यात्मक मूल्यों को उसके बाद रखा है। सबसे कम सुखात्मक मूल्यों को रखा है जो कि भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को परिलक्षित करता है। और यह बताता है कि विद्यार्थियों में सबसे ज्यादा सामाजिक भावना होती है।पुरुष और महिला दोनों ही प्रशिक्षणार्थियों में सामाजिक मूल्य एवं सैद्धांतिक मूल्य का सर्वोपरि रहे हैं। तत्पश्चात धार्मिक मूल्यो का स्थान रहा है।

महिला एवं पुरुषों में मूल्य का विकास समान रूप से हुआ है। जो उनके परिपक्व होने तथा उनके मूल्यों को महत्व देने के कारण होता है। क्योंकि बी.एड.प्रशिक्षणार्थी परिपक्व होते हैं तथा अनुभवी होते हैं। परिवार. को महत्व देने वाले होते हैं। इसलिए उनमें मूल्य का विकास भी पूरी तरह होता है। प्रस्तुत शोध में हमें यही परिणाम प्राप्त होते हैं कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थी छात्र एवं छात्रों में मूल्य का विकास समान रूप से होता है और वह मूल्यों को समान रूप से महत्वपूर्ण समझते हैं।

सुझाव -वर्तमान समय में मूल्यों के विकास के लिए भावी शिक्षकों को मूल्य शिक्षा दी जानी चाहिए। तभी वह अपने विद्यार्थियों को एक अच्छा नागरिक और इन्सान बना सकेंगे। समाज को ऐसे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की आवष्यकता है जो नैतिक, सामाजिक, धार्मिक, कलात्मक और राजनैतिक मूल्य से समाहित हो। इसलिए शिक्षा में मूल्य शिक्षा अति आवष्यक है।

सदंर्भ ग्रन्थ एवं लिंक

अरोड़ा संतोष 2009 प्राथमिक विद्यालयों में मूल्य आधारित क्रियाओं का अध्ययन,भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका वर्ष 28 अंक 2 जुलाई से दिसंबर 2009

असवाल भारत सिंह (2015)-मूल्य शिक्षा का जीवन में महत्व एवं आवश्यकता.

डॉ देवराज (2017) नैतिक मूल्यों का आधार एवं प्रकृति नई शिक्षा राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

डॉक्टर गोपाल सिंह अधिकारी एवं श्रीमती शगुन अधिकारी (1992) शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के मूल्यों का अध्ययन.

डॉ आर ए शर्मा,-मानव मूल्य एवं शिक्षा,आर लाल बूक डिपो

प्रो राम शक्ल पांडेय प्रो करुणाशंकर मिश्र-- मूल्य शिक्षण,श्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा 2

शर्मा मधुलिका (2002) -माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के व्यक्तिगत मूल्य का अध्ययन.

सिंह सारनाथ मोहन कुमार (2008) माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के जीवन मूल्यों की तुलना ,भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका वर्ष 27अंक 2जुलाई दिसंबर2008

http://hdl.handle.net/10603/80758

https://ndpublisher.in/admin/issues/LCV7N3a.pdf

https://ijcrt.org/papers/IJCRT2108466.pdf

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation